हिन्दी साप्ताहिक

RNI No. UPHIN/2011/43668

WWW.JANVEENA.COM

जनवीणा

स्वर जन-मन का...

वर्ष : 12 | अंक : 42 | लखनऊ, 14 अक्टूबर, 2023 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रूपये

मिशन शक्ति 4.0 का आगाजः सीएम योगी बोले- बीसी सखी बनकर महिलाओं ने गांवों में बैंक की कमी को पूरा किया

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास से मिशन शक्ति के चौथे संस्करण का शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने महिलाओं के सशक्तिकरण में बीसी सखी ने क्या योगदान दिया इसका जिक्र किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने सरकारी आवास से नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को समर्पित मिशन शक्ति के चौथे चरण का आगाज महिला सशक्तिकरण रैली को रवाना कर किया, जो राजधानी के विभिन्न पड़ाव से होते हुए 1090 चौराहे पर समाप्त हुई। रैली के जरिये केंद्र और राज्य सरकार की ओर से महिलाओं-बेटियों के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश में वर्ष 2020 में महिला संबंधी अपराधों को नियंत्रित करने के लिए एक कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसकी थीम थी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन। तीन मुद्दों को लेकर शुरू हुआ कार्यक्रम आज मिशन शक्ति के नाम से जाना जाता है। इस कार्यक्रम ने प्रदेश में लोकप्रियता हासिल करने के साथ पूरे देश में महिला संबंधी अपराध को नियंत्रित करने और अपराधियों को सजा दिलाने वाले राज्यों में अग्रणी राज्य बन गया। मिशन शक्ति की सफलता का ही परिणाम है कि भारत सरकार ने भी महिला सुरक्षा के लिए चलाए जाने वाले अभियान का नाम मिशन शक्ति रखा है, जो यह दर्शाता है कि जब कोई भी इनिशिएटिव समाज में व्यापक जागरूकता का बड़ा माध्यम बनता है तो उसे राष्ट्रव्यापी बनने में देर नहीं लगती है। मिशन शक्ति के इस चौथे चरण का भी यह उद्देश्य है।

उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न तरह के कार्यक्रम चलाती है, लेकिन जिनके लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है उन्हे इसकी जानकारी ही नहीं हो पाती। इसकी वजह से वह इसका लाभ नहीं उठा पाते। ऐसे में प्रदेश के सभी 75 जिलों के लिए जागरुकता रैली का शुभारंभ किया गया है। इसके बाद प्रदेश के हर जनपद के स्कूल, कॉलेज में प्रभात रैलियां निकाली जाएंगी। इसके अलावा उन जनपदों में महिला सुरक्षा, सम्मान, स्वावलंबन को लेकर अच्छा काम करने वालों को सम्मानित किया जाएगा।

वहीं 15 अक्टूबर से हर शहर, गांव और नगर निकायों के वार्ड में केंद्र और राज्य सरकार की महिला संबंधी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दौरान सरकार की ओर से महिलाओं और बेटियों की रक्षा से संबंधित उठाए गए विभिन्न मुद्दों से उन्हें अवगत कराया जाएगा। पहले प्रदेश में लोग महिलाओं के बारे में बोलते थे कि वह बहुत पढ़ी-लिखी नहीं है तो वह क्या काम कर पाएंगी, लेकिन हमारी सरकार ने इस धारणा को बदला।

सज-धजकर तैयार हुआ विंध्य धाम, कोलकाता से फूलों के साथ आए कारीगर

मिर्जापुर। आज मध्य रात्रि से शुरू हो रहे नवरात्र मेला के लिए विंध्य धाम सज धज कर तैयार हो गया है। परिक्रमा पथ के मुख्य गेट को विदेशी फूलों से सजाया गया है। फूलों से आकर्षक ढंग से जय माता दी लिखा गया है। मंदिर प्रांगण को रंग बिरंगी लाइट एवं चुनरी से सजाया गया है। श्रद्धालुओं के दर्शन पूजन के लिए बैरीकेडिंग लगाई गई है और उसको लाल कपड़े से ढका गया है। दर्शन पूजन का दौर भी चल रहा है। रात बारह बजे मां का कपाट बंद होगा। मंगला आरती श्रृंगार के उपरांत आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर खोल दिया जायेगा। नवरात्रि के प्रथम दिन दर्शन पूजन मां के जयकारे के साथ नवरात्र मेला शुरू हो जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे एवं पुलिस बल तैनात किया गया है। बता दें कि विंध्य कॉरिडोर की भव्यता के बीच शारदीय नवरात्र में माता विंध्यवासिनी का दरबार रंग-बिरंगे फूलों के अलावा थाईलैंड के आर्किड फूलों से सजाया गया है। फूलों के रंग और सुगंध श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र होंगे। चेन्नई, देहरादून, बंगलुरू और कोलकाता से फूलों के साथ आए कारीगर सजावट की तैयारियों में जुटे हैं। कोलकाता से रंग-बिरंगे गेंदा व सन फ्लावर से जहां मंदिर को सजाया जा रहा है। वहीं बंगलुरू के गुलाब, चेन्नई व देहरादून के हर्नीसन के अलावा दिल्ली के स्टार व लिली के फूलों से मां विंध्यवासिनी मंदिर का प्रमुख गेट तैयार किया जाएगा। विंध्य कॉरिडोर के निर्माण के बीच शारदीय नवरात्र मेले को लेकर तीन लाख नारियल की खेप मंगाई गई है। पिछले दिनों से अब तक विंध्याचल में दस ट्रक नारियल मंगाई जा चुकी है। ट्रक में छह सौ बोरियां मौजूद रहती हैं।

नवरात्र में मंत्रिमंडल विस्तार की अटकलों के बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिले उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक

लखनऊ। यूपी के उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से दिल्ली में मुलाकात की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बाद प्रदेश के दूसरे डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भी भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की है।

योगी सरकार के नवरात्र में मंत्रिमंडल में फेरबदल की अटकलों के बीच राज्य के भाजपा नेताओं की भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात को बहुत अहम माना जा रहा है।

पाठक ने नई दिल्ली में नड्डा से मुलाकात का खुलासा अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स किया है।

यूपी कैबिनेट में घोसी उपचुनाव के बाद से ही फेरबदल के कयास लगाए जा रहे हैं। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर और दारा सिंह चौहान को योगी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है।

सम्पादकीय

राष्ट्र की उन्नति में शिक्षा,भाषा की भूमिका

यह सर्वविदित है कि इतिहास का पन्ना पलटें तो हर सभ्यता ने अपने कई कई रूप बदले हैंस संस्कृति ने नए नए नए आयाम का सृजन किया हैस वैसे भी जीवन परिवर्तन का पर्याय है एवं विकास का स्वरूप हैस यह सर्वकालीन सत्य है कि शिक्षा एवं ज्ञान का महत्व हर संस्कृति, सभ्यता और मानवीय समुदाय के जीवन में एक प्रकाश पुंज की तरह उन्हें विकास की दिशा दिखाते हुए आया हैस जिस देश की भाषा जितनी समृद्ध होगी उस देश की सभ्यता संस्कृति और ज्ञान उत्तम शिखर पर होगा और विकास की नई नई धाराएं बहेगींस मानवीय विकास के साथ मनुष्य को अधिक परिपक्व को समझदार तथा समृद्ध बनाने में शिक्षा,भाषा, ज्ञान और साहित्य का सर्वाधिक महत्व रहा हैस शिक्षा चाहे आपके परिवार से प्राप्त हुई हो, स्कूल कॉलेज अथवा किसी शिक्षण संस्थान से प्राप्त हुई हो या भारतीय संस्कृति के वैदिक शास्त्रों से प्राप्त हुई हो, शिक्षा का मनुष्य के व्यक्तित्व के निर्माण में बड़ी अहम भूमिका होती हैस शिक्षा भी समाज संस्कृति एवं सभ्यताओं के साथ परिवर्तनशील तथा प्रगतिशील है। शिक्षा, ज्ञान तथा संस्कृति और कला साहित्य को देश और विदेश की सीमाओं में बांधा नहीं जा सकता है। यह असीमित भंडार है एवं इसमें आकाशीय ऊंचाइयां भी शामिल रहती हैंस शिक्षा और ज्ञान न तो गहराइयां न ही नापी नजा सकती है, और ना ही इसकी ऊंचाई को देखा जा सकता है। पूर्वी सभ्यता जहां अध्यात्म, वेद ,पुराणों पर अवलंबित है, वहीं पश्चिमी सभ्यता ज्ञान विज्ञान नए नए अविष्कार और आकाश की अनछुई कई बातों को उजागर करने वाली है। ऐसी शिक्षा तथा ज्ञान के कारण मानव चंद्रमा पर पहुंच कर एक नई गाथा लिख पाया हैस वस्तुत: पूर्व तथा पश्चिम ज्ञान विज्ञान तथा शिक्षा के मामले में एकाकार हो चुका है कोई भी भेदभाव या विभाजन रेखा नहीं खींची जा सकती है पूरी सभ्यता ने जहां पाश्चात्य दर्शन से नए नए अविष्कारों हवाई जहाज, इंजन, ग्रामोफोन, रेडियो एवं नई नई टेक्नोलॉजी को अपनाया है वहीं पश्चिमी दर्शन ने भारती ज्ञान विज्ञान संस्कार आयुर्वेद योग धर्म दर्शन को अपना कर अपनी जीवनशैली में शांति तथा सौभाग्य स्थापित किया हैस यह सब शिक्षा भाषा एवं ज्ञान के बदौलत पूर्व और पश्चिम का मेल संभव हो पाया हैस शिक्षा और भाषा सदैव ही अज्ञानता के तमस में एक प्रकाश पुंज की तरह देदीप्यमान होता रहा है, नवजीवन की विकास धारा में सदैव महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आया हैस हमारे कई धर्मों में जिनमें जैन ,बौद्ध दर्शन, नव्य वेदांत तथा भारतीय संस्कृति के नवीन चिंतन के सामने आने से नवयुग की कल्पना को साकार किया है। पश्चिम के कई विद्वान और चिंतक जिनमें प्लूटो, अरस्तु, सुकरात, कार्ल मार्क्स, लेनिन ने अनेक विकास के सिद्धांतों को प्रतिपादित किया है। जिसका पूरे विश्व ने खुले दिल से स्वागत किया एवं विकास की नई नई की इबारत लिखी है। दूसरी ओर भारत की संस्कृति, सभ्यता और समाज में सदैव आवश्यक सुधार तथा नई नई बुद्धिमता पूर्ण युक्तियों को अपने में आत्मसात करने की एक अलग क्षमता रही है, और विकास का मूल मंत्र भी परिवर्तनशील जीवनशैली ही है स राजनीति तो सदैव परिवर्तन पर अवलंबित रहती है। स्वतंत्रता के पहले तथा बाद में राजनीतिक घटनाक्रम जिस नव परिवर्तन युग की तरफअग्रसर हुए हैं वह अत्यंत उल्लेखनीय हैस भारतीय सभ्यता समाज और संस्कृति जितनी जटिल तथा गूढ है उसको जितना समझा जाए, उसका जितना अध्ययन किया जाए तो उससे नवीन बातें समझ में आती है, और उसके नए नए अर्थ हमारे सामने आते हैं, जिसका बहु आयामी उपयोग हम अपनी जीवनशैली में परिवर्तन करने के लिए सदैव कर सकते हैं। स्वतंत्रता के बाद तो भारत देश ने ज्ञान भाषा तथा संस्कृति में अनेक परिवर्तन किए गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, बाल गंगाधर तिलक, सुभाष चंद्र बोस आदि ने अपनी किताबों में नव परिवर्तन के नए-नए आयामों तथा जीवन शैली के सत्य के साथ प्रयोग को एक नया आयाम दिया है और भारत देश को नए स्वरूप में विश्व में पहचान दिलाई है। पाश्चात्य ज्ञान से हमें अपने आडंबर एवं अंधविश्वास तथा शिक्षा पर विजय प्राप्त करने में काफी मदद प्राप्त हुई है। भारतीय संस्कृति की कई भ्रांतियों को भी हमने ज्ञान तथा भाषा के नवीन प्रयोगो से समाज से दूर किया है। दिन प्रतिदिन जीवन की कार्यशैली में हम यह महसूस करते हैं कि शिक्षा भाषा तथा ज्ञान हमें यह महसूस कर आते हैं कि हम अभी तक कितने पीछे हैं एवं हमें कितने ज्ञान की और आवश्यकता है। हालांकि ज्ञान का कोई और झोर नहीं होता, ज्ञान तथा भाषा एक समृद्ध भंडार है, उसमें आप जितना सीख सकते हैं ज्ञान ले सकते हैं वह अत्यंत लघु होता है। तो हमेशा हमें यह प्रयास करना चाहिए कि हम पल प्रतिपल कुछ ना कुछ हर व्यक्ति, हर समाज, हर सभ्यता से सीखने का प्रयास करें।

भारत देगा चीन को टक्कर

आदित्य नारायण

रबार्कलेज पीएलसी का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था को चीन से आगे निकलने के लिए प्रति वर्ष आठ प्रतिशत वृद्धि की जरूरत है। भारत को काफी ज्यादा निवेश की जरूरत है। दक्षिण एशियाई देशों को माइनिंग, ट्रांसपोर्ट, यूटिलिटीज और स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की जरूरत है। भारत ने हाल ही के वर्षों में दूरसंचार और डिजिटल सैक्टर में ज्यादा निवेश किया है जिसका लाभ उसे मिल रहा है। निवेशक चीन के शेयर बाजार से धन निकाल कर भारत में लगा रहे हैं। कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां चीन से निकलकर भारत और अन्य देशों में उद्योग लगा रही हैं। चीन से निकलकर एप्पल, सैमसंग जैसी कई कम्पनियां भारत में आ चुकी हैं। जी-20 देशों से प्रगाढ़ संबंध कायम करके भारत अपना व्यापार भी बढ़ा रहा है। इस सबके बावजूद भारत द्वारा चीन को पछाड़ना काफी चुनौतीपूर्ण है। जरूरत इस बात की है कि भारत ज्यादा उत्पादन करे ताकि रोजगार के अवसर बढ़ें। देश में नए क्षेत्रों के साथ-साथ पारम्परिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाए। सैमी कंडक्टर के निर्माण में तेजी लाकर परिदृश्य बदला जा सकता है। भारत की एफ्डीआई के लिए अपनी नीतियों को और भी उदार बनाना होगा। अभी भी भारत के बाजारों में चीनी माल हावी है। इसका मुकाबला करने का साहस हम आज भी नहीं कर रहे।भारत और चीन में आर्थिक वृद्धि को लेकर होड़ जरूर है, लेकिन अभी हमें बहुत लम्बा रास्ता तय करना है। लम्बे समय तक भारत को भूखे नंगे देश के रूप में जाना जाता रहा। उसके बाद भारत को एक बड़े बाजार के रूप में देखा जाने लगा, लेकिन भारत ने जिस तरीके से आर्थिक अवसरों का लाभ उठाया है, उससे भारत अब वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। आर्थिक विशेषज्ञों के विचार काफी अलग-अलग हैं। लेकिन इतना निश्चित है कि भारत के चीन को आर्थिक टक्कर देने के कई कारण हमारे सामने हैं। कुछ समय पहले ऐसा माना जाता रहा था कि चीन की विकास की रफ्तार से दुनिया धीमी पड़ गई है। दुनियाभर के बाजार चीन के माल से पटे पड़े थे। ऐसा शोर मच गया था् कि चीन जल्द ही अमेरिका को पछाड़ कर दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। लेकिन कोरोना महामारी के चलते चीन की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से हिल गई। आज चीन में बेरोजगारी बहुत बढ़ चुकी है। रियल स्टेट पूरी तरह से धड़ाम हो चुका है।

पिछले साल चीन की इकोनॉमी तीन प्रतिशत की ग्रोथ से बढ़ी जो 10 सालों में सबसे कम है। चीन का एक्सपोर्ट धड़ाम से गिर गया है, सर्विस पीएमआई 8 महीने के लो पर पहुंच गया। कंपनियों पर सरकार की कार्रवाई से भी दुनिया का भरोसा चीन पर कम हुआ है। साथ ही अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ चीन का तनाव चरम पर है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका आज बेहतर स्थिति में दिख रहा है। स्ट्रॉन्ग लेबर मार्केट, कंज्यूमर खर्च में बढ़ोतरी और महंगाई में गिरावट से देश की इकोनॉमी में आत्मविश्वास की बहाली हुई है। कुछ महीने पहले तक अमेरिका के मंदी में फंसने का अनुमान लगाया जा रहा था लेकिन फिलहाल अमेरिका की इकोनॉमी उस स्थिति से बाहर निकल गई है।

अगर भारत की बात करें तो लगातार 2 साल से ऐसा हो रहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चीन की अर्थव्यवस्था के मुकाबले ज्यादा तेजी से वृद्धि कर रही है। अनुमान है कि इस वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 7 फीसदी रहेगी, जबकि कैलेंडर वर्ष 2022 में चीन की वृद्धि दर अस्वाभाविक रूप से महज 3 फीसदी रही। इसी तरह, पिछले वर्ष भी भारत ने 9.1 फीसदी की दर के साथ चीन को मात दी, जिसकी दर 8.1 फीसदी रही। यह कोविड के लक्षण उभरने से 5 साल पहले तक (कैलेंडर वर्ष 2014-18, और उनके बाद के भारत के वित्त वर्षों में) दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले दो देशों के तुलनात्मक प्रदर्शन के बावजूद हुआ है। तब भारत ने औसत 7.4 फीसदी की वृद्धि दर के साथ पड़ोसी देश चीन को पहली बार पीछे छोड़ा, जो 7 फीसदी की वृद्धि दर ही हासिल कर पाया था। इस तरह यह कहानी चल पड़ी कि भारत दुनिया की वह बड़ी अर्थव्यवस्था है, जो सबसे तेजी से वृद्धि दर्ज कर रही है और उसने तीन दशकों से इस गौरव के हकदार चीन को इस गद्दी से नीचे उतार दिया है। आजकल आर्थिक क्षेत्रों में इस बात पर गम्भीरता से चर्चा हो रही है कि क्या भारत अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर चीन को पछाड़ देगा? भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी संकेतक इस समय अच्छा महसूस करने के लिए काफी हैं। वैश्विक वित्त संस्थान भी लगातार भारत की हवा बनाने में लगे हुए हैं। भारत सरकार ने पिछले कुछ वर्षों से बुनियादी ढांचे पर अपना खर्च बढ़ाया है और चालू वित्त वर्ष में मार्च 2024 तक रिकार्ड 10 ट्रिलियन यानि 10 लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले 2 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था को 3.7 ट्रिलियन डॉलर से बढ़ाकर 5 ट्रिलियन डॉलर करने की अपनी महत्वाकांक्षा को लेकर दिन-रात एक कर रहे हैं। चीन की अर्थव्यवस्था भारत से 7 गुणा बड़ी है। चीन की तुलना में भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ रही है। मॉर्गन स्टेनली ने अपनी रिपोर्ट में भारत को एशिया के सबसे उभरते बाजारों की सूची में पहले नम्बर पर रखा है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में ढांचागत विकास की तेजी, बढ़ते विदेशी निवेश, मजबूत राजनीतिक नेतृत्व, मध्यम वर्ग की बढ़ रही क्रय शक्ति और कार्पोरेट सैक्टर का विकास भारत की अर्थव्यवस्था की ताकत को बढ़ा रहे हैं।

एस-4 का पुरानी पेंशन बहाली अभियान संकल्प सम्मेलन सम्पन्न

30 अक्टूबर से चरणबद्ध आंदोलन की घोषणा 05 सूत्रीय मांगों की पूर्ति हेतु संघर्ष का संकल्प अन्य संगठनों से सामंजस्य की पहल

संवाददाता

पुरानी पेंशन बहाली अभियान हेतु संयुक्त संघर्ष संचालन समिति, उ0प्र0 (एस -4) के तत्वाधान में प्रांतीय / मंडलीय /जनपदीय पदाधिकारियों का संकल्प सम्मेलन आज सहकारिता भवन, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह सभागार में सम्पन्न हुआ। विनय कुमार सिंह की अध्यक्षता में पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का शुभारम्भ किया। सरस्वती वंदना-स्वागत गीत के उपरान्त महासचिव, आर0के0 निगम ने सम्मेलन का एंजेडा 05 प्रमुख मांगों तथा प्रस्तावित आंदोलन के कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत कर सदस्यों से विचार आमंत्रित किये। निर्वाचित पदाधिकारियों के स्थानान्तरण सम्बधी लोकतंत्र लेकर इसे पूर्व की भांति ही रखा जाय ।

प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आये एस-4 के पदाधिकारियों व घटक संगठनों के प्रतिनिधियों से विचार-विमर्श के उपरान्त सम्मेलन में दोनों प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। सदस्यों का स्पष्ट मत रहा-हमारा लक्ष्य है, ओ0पी0एस तथा समाप्त किये गये भत्तों की शीघ्र बहाली के साथ-साथ संविदा, मानदेय व आउटसोर्सिंग के कार्मिकों का नियमितीकरण। यह घोषणा करते हुए वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनय कुमार सिंह, महासचिव आर के निगम, उपाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह एवं संयुक्त संयोजक कृतार्थ सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि अस्वस्थता के कारण वरिष्ठ कर्मचारी नेता एस-4 के अध्यक्ष अजय सिंह सम्मेलन मेंप्रतिभाग नहीं कर सकें, उनकी सहमति से चरणबद्ध रूप में आंदोलन की घोषणा सम्मेलन में की गई जो 30 अक्टूबर, 2023 से प्रारंभ होकर 16 जनवरी, 2024 तक चलेगा। सम्मेलन में प्रदेश के अन्य कर्मचारी शिक्षकों के संगठनों से सामंजस्य स्थापित करने की पहल करने का प्रस्ताव भ पारित हुआ । प्रदेश स्तर पर एक वृहत एवम् प्रभावी आंदोलन को एकजुट होकर सफल बनाने के संकल्प के साथ सम्मेलन समाप्त हुआ।

सम्मेलन में घोषित आंदोलन को समर्थन देने की घोषणा करते हुए राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उ0प्र0 के अध्यक्ष अरविंद कुमार वर्मा, सम्प्रेक्षक नागेंद्र भूषण पांडेय, संयुक्त मंत्री मो0 अजित प्रताप सिंह यादव, राज्य कर्मचारी महासंघ उ0प्र0 के उपाध्यक्ष कृतार्थ सिंह, राष्ट्रीय पेंशन संघर्ष समिति, उ0प्र0श के अध्यक्ष नितिन चतुर्वेदी महामंत्री शौकत अली, यू0पी0 रोडवेज इम्पलाइज यूनियन के संयुक्त मंत्री दिनेश मणि मिश्र तथा प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसो0 के महामंत्री आशुतोष मिश्रा नगर निगम संघ के अध्यक्ष राजेश सिंह ने उ0प्र0 सरकार से शिक्षकों-कर्मचारियों की वर्षों से लंबित मांगो पर अविलंब फैसला लेने की मांग की।

सम्मेलन को प्रमुख रूप से उपाध्यक्षगण राजेश कुमार सिंह, तेज बहादुर शर्मा, मंसूर आलम अंसारी, पंकज यादव, संयुक्त संयोजकगण आर0के वर्मा, द्वारिका पांडेय, मुकेश द्विवेदी, के0के0 मिश्रा, दिनेश रावत, महेन्द्र कुमार, राम गुप्ता, सुरेश वर्मा, महेश चन्द्र सिंह, माधवी चौधरी, मिथलेश सिंह, कुसुम सिंह, भूपेश कुमार सिंह, सहसंयोजक गोवर्धन सिंह, उमेश कुमार भारती, सी0एल0 गुप्ता, सत्यशंकर मिश्रा, मुकेश द्विवेदी, अभिषेक वाजपेयी, तालिब हसन, अनिल कठेरिया, मंयक, राज सक्सेना, करूनेश प्रताप सिंह, हरीश गंगवार, रामनाथ कश्यप, राम कुमार उपाध्याय आर0एस0 त्रिपाठी, श्याम नरायन यादव, प्रमोद दिक्षित महामंत्री आदि ने सम्बोधित किया। सम्मेलन का संचालन महासचिव आर के निगम ने किया।

आरक्षण के मुद्दे पर निषाद पार्टी अडिग- संजय निषाद

प्रदेश के सभी मंडलों में चलाया जाएगा संवैधानिक आरक्षण जनसंपर्क अभियान- संजय निषाद

संवाददाता

लखनऊ निषाद पार्टी सुप्रीमो मान्य केबिनेट मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद जी ने अपने सरकारी आवास एक विक्रमादित्य मार्ग पर प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि निषाद पार्टी का गठन मछुआ समाज के संवैधानिक मछुआ आरक्षण के मुद्दे को लेकर हुआ था, पार्टी आज भी अपने आरक्षण के मुद्दे पर अडिग है। मछुआ आरक्षण के मुद्दे को लेकर निषाद पार्टी द्वारा प्रदेश के सभी 18 मंडलों में संवैधानिक आरक्षण जनसंपर्क महाअभियान चलाया जाएगा। इसके तहत मछुआ समाज के लोगों से आरक्षण को लेकर उनकी राय जानी जाएगी और प्रदेश स्तर पर इसको एकत्रित करके केंद्र और राज्य सरकार को सौंपा जाएगा।

संवैधानिक मछुआ आरक्षण जनसंपर्क अभियान के प्रस्तावित कार्यक्रमों की सूची

1- गोरखपुर, बस्ती मण्डल 15 अक्टूबर को

2- बनारस, आजमगढ़ 21 अक्टूबर को

3- प्रयागराज, मिर्जापुर मंडल 27 अक्टूबर को

4- अयोध्या, देवीपाटन मंडल 2 नवंबर को

5- चित्रकूट, झांसी मंडल 8 नवंबर को

6- आगरा अलीगढ़ मंडल 14 नवंबर को

7- बरेली मुरादाबाद मंडल 21 नवंबर को

8- मेरठ सहारनपुर मंडल 26 नवंबर को

9- लखनऊ कानपुर मंडल 1 दिसम्बर को

श्री निषाद जी ने बताया कि इस यात्रा के दौरान पूर्व की सपा बसपा एवं कांग्रेस की सरकारों द्वारा मझवार और तुरैहा की सभी पर्यायवाची उपजातियां के आरक्षण को लेकर मछुआ समाज को भ्रमित किया गया है उसको समाज के सामने रखा जाएगा।

श्री निषाद जी ने कहा कि प्रदेश में कैबिनेट मंत्री (मत्स्य विभाग) बनने के बाद उन्होंने मत्स्य विभाग की समुचित योजनाओं का लाभ मछुआ समाज को दिलाने का किया है।

पूर्व की सरकारों में मत्स्य विभाग की सभी योजनाओं का लाभ अन्य जाति और धर्म के लोग अधिक पाते थे, किंतु प्रदेश में पहली बार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अधिकांश लाभार्थी मछुआ समाज से आते हैं किसान क्रेडिट कार्ड (मत्स्य पालन क्षेत्र के लिए) उत्तर प्रदेश राज्य में लागू कर दिया गया है। मछुआ समाज के लिए निषाद राज बोट योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, मछुआ कल्याण कोष उत्तर प्रदेश के मछुआ समाज के उत्थान के लिए संचालित की जा रही है।

हिन्दू समाज पार्टी ने हमास आतंकियों और फिलिस्तीन प्रधानमंत्री का पूतला फूंका

लखनऊ(यूएनएस)। हिन्दू समाज पार्टी ने आज यहां पंचमुखी हनुमान मन्दिर के सामने हजरतगंज पर हमास आतंकियों और उनका समर्थन करने वाले फिलिस्तीन के प्रधानमंत्री का पूतला फूंका और जमकर आतंकियों का समर्थन करने वालों के खिलाफ नारेबाजी की युवा नेता मोहित मिश्रा ने बताया की राष्ट्रीय अध्यक्ष किरन कमलेश तिवारी व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गौरव गोस्वामी नजरबंद होने के कारण इस प्रदर्शन में नहीं पहुंच सके। हिन्दू समाज पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौरव वर्मा के नेतृत्व में काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता दोपहर बाद दारुलशफा पहुंचे, जहां से जुलूस के रूप में पंचमुखी हनुमान मन्दिर के समक्ष पहुंचे और वही पर हमास आतंकियों और फिलिस्तीन के प्रधानमंत्री का पूतला फूंका उसके बाद जीपीओ पहुंच कर जमकर नारेबाजी की।

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ का चुनाव

कपिल सिंह निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

लखनऊ। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग में गत 6 अक्टूबर को मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष पद के लिए कपिल सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए। मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ चुनाव में पहली बार अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध निर्वाचित होकर कपिल सिंह ने इतिहास बनाया।

निर्वाचन के क्रम में संघ के कार्यकारिणी उपाध्यक्ष पद के लिए निखिल मिश्रा एवं राजेश कुमार यादव, महामंत्री पद पर राजकुमार, संयुक्त मंत्री के पद पर राजेश भारती, कोषाध्यक्ष पद पर सलीम अंसारी ने जीत हासिल की। इसके अलावा अम्बुज शुक्ला संगठन मंत्री, प्रणव शुक्ला प्रचार मंत्री, हरि प्रसाद नैथानी ऑडिटर के पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए।

कार्यकारिणी सदस्य के पद पर क्रमशः राजा भारती, रवि कुमार, पंकज कुमार यादव, आशीष कुमार, उमेश कुमार एवं बृज मोहन पाण्डेय निर्विरोध चुने गये। मिनिस्ट्रीयल कर्मचारी संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का विभागीय कर्मचारियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। वहीं नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने कहा कि जिन आशाओं और अपेक्षाओं से मुझे यह जिम्मेदारी दी गई है उन्हें पूरा करने के लिए वे मन वचन और कर्म से समर्पित रहेंगे।

लोक संस्कृति शोध संस्थान का आयोजन, बच्चों ने सुनी दादी-नानी की कहानी

अवसर के रूप में आते हैं भगवान

लखनऊ। लोक संस्कृति शोध संस्थान द्वारा गत 10 अक्टूबर को जानकीपुरम के अटल बिहारी वाजपेयी अभिनव माडल स्कूल में आयोजित दादी नानी की कहानी कार्यक्रम में बच्चों को नैतिक शिक्षा दी गई। स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव ने कहानी की शुरुआत एक गांव के मंदिर पर आये पंडित जी से की जिन्हें यह विश्वास था कि उन्हें भगवान बचायेंगे। संकट काल में भगवान ने अवसर के रूप में कई बार उपस्थित होकर पंडित जी की मदद करनी चाही किन्तु वे मदद प्राप्त नहीं कर पाये। कहानी के माध्यम से बच्चों में स्वयं की क्षमता को पहचानने और अवसर का सदुपयोग करने जैसे प्रेरणात्मक सन्देश भी दिये गये।

कार्यक्रम की शुरुआत टंग ट्विस्टर के माध्यम से हुई जिसमें बच्चों को अटपटे वाक्यों का उच्चारण अभ्यास कराया गया। कथा श्रवण के उपरान्त बच्चों ने कहानी पर आधारित प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

लेखिका अर्चना गुप्ता ने लोक कथा चमत्कारी गधा सुनाई। विद्यालय की प्रधानाचार्य शिखा चौधरी ने बच्चों के मानसिक विकास में कहानी की उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए आयोजन की सराहना की। इसके पूर्व विद्यालय परिवार द्वारा कथा प्रस्तोता स्टोरीमैन जीतेश श्रीवास्तव, लोक संस्कृति शोध संस्थान की संरक्षक अर्चना गुप्ता, शोध एवं प्रकाशन अधिकारी डा. एस. के. गोपाल, समाजसेवी मनोज केशव, युवा कवि कृष्णा सिंह का स्वागत किया। आयोजन में विद्यालय के बच्चों के साथ ही अध्यापकगण उषा त्रिपाठी, साधना रानी, रीना, सत्य कुमार, किरन दीपिका, प्रदीप गुप्ता समेत अन्य मौजूद रहे।

यूपी में फिर बदलेगा मौसम, अगले तीन दिनों में कई जिलों में होगी भारी बारिश

लखनऊ (यूएनएस)। उत्तर प्रदेश में मौसम एक बार फिर बदलने जा रहा है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के कारण पाकिस्तान के पास चक्रवाती परिसंचरण बन रहा है। इसके कारण प्रदेश में 15 से 17 अक्टूबर के दौरान मौसम बदलने के आसार है और रविवार से अगले तीन दिन तक प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी और तापमान में भारी बदलाव होगा। फिलहाल, राज्य में सुबह और शाम को कोहरा पड़ने लगा है और दोपहर को धूप खिली रहती है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया है कि तड़ित झंझावात व वज्रपात के साथ कहीं-कहीं कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

आशा पारेख का जायज सवाल

वैसे तो कोई अपनी कमाई से कितना अपने पास रखता है और कितना लोगों के बीच बांट देता है, यह पूरी तरह से उसका निजी निर्णय होता है, लेकिन जब कोई ऐसे विशिष्ट उपक्रम करता है जिसका लक्ष्य किसी व्यक्ति या समुदाय विशेष की स्थिति की ओर लोगों का ध्यान आकृष्ट करना हो तो इस तरह की उम्मीद करना नाहक नहीं कहलायेगा, कि इससे हुई कमाई का थोड़ा-बहुत हिस्सा उन लोगों तक पहुंचे, जिसे या जिन्हें केन्द्र में रखकर वह काम किया गया हो और उससे बड़ी आय या आर्थिक लाभ काम करने वाले को मिला हो।

इस बात का सन्दर्भ पिछले वर्ष विवेक अग्निहोत्री द्वारा कश्मीरी पंडितों के पलायन एवं उनकी तकलीफें पर बनाई गई फिल्म दी कश्मीर फाइल्स से जुड़ता है। बुधवार को बीते दिनों की सिने स्टार आशा पारेख द्वारा एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में दिये उस बयान से जुड़ता है, जिसमें उन्होंने पूछा कि इस फिल्म से अग्निहोत्री ने इतने पैसे कमा लिये पर उन्होंने कश्मीरी हिन्दुओं पर कितनी राशि खर्च की ? इस फिल्म के बारे में कहा जाता है कि उसकी लागत 15-20 करोड़ रुपये मात्र थी जबकि उसने 400 करोड़ रुपए का लाभ कमाया। दो फिल्मफेयर, पद्मश्री एवं दादासाहेब फालके पुरस्कारों से सम्मानित 81 वर्षीया अदाकारा ने कहा कि उन्होंने फिल्म नहीं देखी है इसलिये वे उसके विवादास्पद पहलुओं पर कुछ नहीं कहेंगी। यह पूछने पर कि क्या ऐसी फिल्में बननी चाहिये, उन्होंने कहा कि अगर लोग देखना चाहते हैं तो बनती रहें। निर्माताओं का हिस्सा 200 करोड़ रुपये का अनुमान लगाते हुए उन्होंने सवाल किया कि जम्मू-कश्मीर में हिन्दू बगैर बिजली-पानी के रह रहे हैं पर क्या निर्देशक ने अपने लाभ से कुछ उनकी मदद की ? यह फिल्म उसी समय विवाद में आ गई थी, जब माना गया था कि इसके निर्माण का उद्देश्य कश्मीरी पंडितों के खिलाफ आतंकवादियों का उत्पीड़न दिखलाते हुए हिन्दुओं की भावनाओं को भड़काना है जिससे भारतीय जनता पार्टी के साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का एजेंडा सधता हो। इसमें फिल्म को आंशिक सफलता भी मिली थी लेकिन लोगों को यह खेल समझ में आ चुका है क्योंकि इस फिल्म का स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रचार करते नजर आये थे। उन्होंने इस फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग कराई और मंत्रियों व पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर इसे देखा था। इतना ही नहीं, उन्होंने लोगों से इसे देखने की अपील भी की थी। इसके बाद आई दी केरला स्टोरी का भी राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास भाजपा ने कर्नाटक के विधानसभा चुनाव के पहले किया था। छोटे पर्दे के सीरियलों से अपना निर्देशकीय कैरियर बनाने वाले अग्निहोत्री को हिन्दुवादी राजनैतिक सोच वाला

व्यक्ति माना जाता है जिनकी फिल्मों का उद्देश्य अब भाजपा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिये फिल्में बनाकर जन समर्थन हासिल जुटाना रह गया है। इस फिल्म को नरगिस दत्त राष्ट्रीय एकता पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। यानी माना गया कि इस फिल्म से भारत की एकता मजबूत होती है।

वास्तविकता तो यह है कि इसका उद्देश्य लोगों को जोड़ना नहीं वरन बांटना है। अग्निहोत्री की हाल ही में आई एक और मूवी द्दी वैक्सीन वॉरश् कोरोना के दौरान भारत की कोविड निरोधी टीके बनने की कहानी है जिसमें यह बतलाने की कोशिश है कि देश आज जो खुली सांसें ले रहा है वह इन्हीं वैक्सीनों के कारण है और फिल्म में अप्रत्यक्ष रूप से इसका पूरा श्रेय नरेन्द्र मोदी की कार्यप्रणाली व दृष्टिकोण को दिया गया है। अग्निहोत्री किस तरह से इन भावनाओं के दोहन द्वारा आर्थिक लाभ कमाते हैं, उसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके बारे में एक अखबार ने प्रकाशित किया कि दी कश्मीर फाइल्स के माध्यम से विवेक एवं निर्माता के रूप में उनकी अभिनेत्री पत्नी पल्लवी जोशी ने मुंबई के वर्सोवा में करीब 20 करोड़ रुपये का एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। कुछ समय बाद उनके अपनी पत्नी के साथ बैंकॉक की खर्चीली यात्रा की तस्वीरों ने भी सनसनी फैलाई थी। लोगों ने तंज कसा था कि देश में हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा लगाकर ये लोग विदेश में मौज-मस्ती कर रहे हैं। पल्लवी ने ही फिल्म दी कश्मीर फाइल्स में नायिका की भूमिका निभाई थी। महंगे घर खरीदने या विदेशों की सैर करने पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है और न होनी चाहिये। ऐसा वे सारे करते हैं जो इस तरह से पैसे कमाते हैं, लेकिन आशा पारेख का सवाल अपनी जगह पर खड़ा है और इसलिये जायज है कि वे ऐसी फिल्में बनाने वाले की मंशा और प्रयोजन पर सवालिया निशान लगाती हैं। इस फिल्म को देखकर लोगों का कश्मीरी आतंकवादियों के बहाने मुस्लिमों के खिलाफरोष बढ़ा था जो भाजपा के वोट बैंक को बढ़ाता है। आशा पारेख अत्यंत सम्मानित अभिनेत्री रही हैं जिनका बहुत सफल फिल्मी कैरियर रहा है और वे विवादों से हमेशा परे रही हैं। वे निर्विवाद रूप से हर मायने में एक सफल अदाकारा रही हैं जिन्हें जीवन में सब कुछ मिल चुका है जिन्हें कुछ और पाना नहीं बचता। इसलिये उन पर यह आरोप नहीं लग सकता कि उन्होंने कुछ पाने के लिये ऐसा बयान दिया है या यह कोई उनका पब्लिसिटी स्टंट है। उन्हें अब अपना कोई प्रचार नहीं करना है क्योंकि शोहरत की बुलन्दियों को वे काफी पहले छूकर उतर चुकी हैं। इसलिये विवेक अग्निहोत्री को उनकी बात का जवाब देना चाहिये। इस देश ने डेनी बॉयल को भी देखा है जिन्होंने मुंबई की झोपड़पट्टियों में रहने वालों के जीवन पर बनी अपनी मूवी स्लमडॉग मिलेनियर को मिले आस्कर पुरस्कार की राशि का एक हिस्सा बाल कलाकारों को दिया था।

आपदा को आमंत्रण

ज्यादा समय नहीं हुआ जब हालिया मानसून में अतिवृष्टि के चलते शिमला के लोग भयाक्रांत थे। लगातार भूस्खलन व कई इमारतों के धराशायी होने के वीडियो सारी दुनिया में वायरल हो रहे थे। तब अनुमान था कि राज्य के सत्ताधीश पर्यावरण संरक्षण व भूक्षरण को रोकने की दिशा में कोई दूरगामी पहल करेंगे। बढ़ती आबादी व निर्माण के बोझ से दबे शिमला को राहत देने के लिये दूरदृष्टि वाले फैसले लेंगे। लेकिन जब हालिया बारिश से उपजी आपदा के जख्म अभी सूखे भी नहीं हैं राज्य सरकार ने शिमला की हरित पट्टियों में नये निर्माण को हरी झंडी दे दी है। शिमला में अतिवृष्टि से हुई अभूतपूर्व तबाही के लगभग दो महीने बाद ही आश्चर्यजनक निर्णय लेते हुए हिमाचल मंत्रिमंडल ने राज्य की राजधानी में 17 संवेदनशील हरित पट्टियों के कुछ हिस्सों में नये निर्माण की राह खोल दी है। उल्लेखनीय है कि शिमला के बेहतर भविष्य के लिये दिसंबर, 2000 में इन क्षेत्रों में भवन निर्माण गतिविधियों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा दिया गया था। खास बात यह कि इन 17 हरित पट्टियों को 'शिमला के फेफड़ों' की संज्ञा दी जाती है क्योंकि इससे शहर की आबोहवा की गुणवत्ता का संवर्धन होता रहा है। दरअसल, 414.36 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैली इस बेल्ट में निर्माण कार्यों पर इसलिये प्रतिबंध लगाया गया था ताकि पर्यावरण मित्र देवदार के वृक्षों का संरक्षण किया जा सके। शिमला के लोग नहीं भूले हैं कि इस मानसून में हुई अप्रत्याशित बारिश में इस शहर ने जीवनदायी एक हजार के करीब देवदार के वृक्षों को खोया है। यही वजह है कि 23 वर्ष के अंतराल के बाद इस शहर की हरित पट्टियों में आवासीय निर्माण के उद्देश्यों से अनुमति देने के निर्णय की आलोचना पर्यावरणवादी कर रहे हैं। उनका मानना है कि राज्य के सत्ताधीशों को ध्यान रखना चाहिए कि शहर के पर्यावरण संतुलन में योगदान देने वाली हरित पट्टियों के मूल स्वरूप से छेड़छाड़ घातक साबित हो सकती है। जाहिर है 23 साल पहले जनसंख्या व निर्माण का दबाव कम होने तथा पर्यावरणीय स्थिति अनुकूल होने के बावजूद शहर के फेफड़ों का काम करने वाली हरित पट्टी में यदि निर्माण कार्य पर रोक लगायी गई थी तो वजह तार्किक थी। जिनका विचार अब निर्माण की अनुमति देते वक्त भी किया जाना जरूरी था। इसी मकसद से नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने भी नये निर्माण पर रोक लगायी थी। लेकिन राजनीतिक-आर्थिक लाभ के लिये सत्ताधीशों ने पुराना फैसला बदल दिया। जाहिर है इस फैसले से पहले ही निर्माण के बोझ से चरमराई शिमला नगरी की चुनौतियों में वृद्धि ही होगी। हाल की बरसात में हुई तबाही के बाद भारत की अग्रणी वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थाओं ने खुलासा किया था कि देश के कई पर्वतीय शहर बढ़ती आबादी का बोझ उठाने में सक्षम नहीं हैं। जिसके चलते उत्तराखंड में व्यापक भूस्खलन की आपदा जोशीमठ में नजर आई। इस तरह के आसन्न संकट वाले कई शहर हिमाचल में भी हैं। लेकिन राज्य मंत्रिमंडल ने इस चुनौती के बावजूद ग्रीन-बेल्ट क्षेत्र को निर्माण हेतु खोल दिया। जिसके लिये शिमला विकास योजना यानी एसडीपी में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि, कहा जा रहा है कि उस क्षेत्र में निर्माण की अनुमति दी जाएगी जहां पेड़ नहीं होंगे। लेकिन पहले से इमारतों के भारी बोझ से दबे इलाकों में निर्माण से प्राचीन देवदार के जंगलों के लिये नया संकट पैदा हो सकता है। पर्यावरण कार्यकर्ता कह रहे हैं कि सरकार का यह निर्णय पर्यावरण विशेषज्ञों के उस दृष्टिकोण के विपरीत है जिसमें उन्होंने सूखते शंकुधारी वृक्षों को बचाने के लिये उपचारात्मक उपाय करने पर बल दिया था। दरअसल, शिमला विकास योजना में संशोधन को देश की शीर्ष अदालत से तीन मई को हरी झंडी मिलने के बाद राज्य की कैबिनेट ने 19 जून को इस फैसले को मंजूरी दे दी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सभी आपत्तियों का निराकरण होने तक एसडीपी में बदलाव को लागू नहीं किया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि एनजीटी ने भी दिसंबर, 2017 में इन क्षेत्रों में नये निर्माण की अनुमति के प्रस्ताव पर रोक लगाई थी।

बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता के घर चोरी

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ में बीबीडी इलाके की गोयल हाईट्स टावर नंबर वन में रहने वाले अधिशासी अभियंता के घर में शुक्रवार को चोरी हो गई। दिलीप कुमार यादव बाराबंकी रामनगर में तैनात हैं। सीसीटीवी की मदद से चोरों की तलाश पुलिस कर रही है। अधिशासी अभियंता दिलीप यादव ने बताया कि वह गोयल हाईट्स में पत्नी नमिता यादव और बेटी वेदिका के साथ रहते हैं। पत्नी नमिता बेटी वेदिका के साथ 12 अक्टूबर को जानकीपुरम स्थित मायके गई थी। वह 13 अक्टूबर को रोज की तरह ऑफिस चले गए। रात को घर लौट कर आने पर देखा दरवाजे के ताले टूटे हैं और सामान बिखरा पड़ा है। जांच में पाया कि घर में चोरों ने घर में रखी नकदी, पत्नी के जेवर और कीमती सामान चुरा लिया था। दिलीप ने बताया कि चोर घर में रखे 85 हजार रुपये नकद।

पंडित श्रीनारायण चतुर्वेदी जयंती पर बही काव्य रसधारा

देश का अभिमान सोया फिर जगाने आ गया

लखनऊ। संस्कार भारती एवं ज्योतिकलश संस्कृति संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में विद्या भारती अखिल भारतीय शोध संस्थान सरस्वती कुंज में पंडित श्री नारायण चतुर्वेदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में गत 28 सितंबर को कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि कमलेश मौर्य मृदु ने की।

मुख्य अतिथि पद्मश्री डॉ. विद्या विन्दु सिंह, अति विशिष्ट अतिथि डा. पूर्णिमा पांडे, कलाकुंज भारती के संपादक एवं सरकार भारती राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी पद्मकांत शर्मा प्रभात, अशोक कुमार पांडे अशोक, संस्था की अध्यक्ष प्रो. उषा सिन्हा, संस्कार भारती के कोषाध्यक्ष देवेन्द्र कुमार मोदी तथा विशेष आमंत्रित अतिथि अरविन्द चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

वरिष्ठतम कवयित्री एवं यश भारती से सम्मानित संगीत विदुषी प्रोफेसर कमला श्रीवास्तव दीप प्रज्वलन मंत्र एवं मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम में सहभागी हुईं। देवेंद्र कुमार मोदी, डा. लक्ष्मी रस्तोगी, शिव सिंह एवं प्रो. उषा सिन्हा ने आमंत्रित अतिथियों एवं कवियों को अंग वस्त्र व पौधे भेंट किए। इस अवसर पर पं. श्रीनारायण चतुर्वेदी के पौत्र अरविंद चतुर्वेदी को राम दरबार का चित्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्वागत उद्बोधन में डा. उषा सिन्हा ने अतिथियों, कवियों एवं श्रोताओं का स्वागत करते हुए पंडित श्रीनारायण चतुर्वेदी के जीवन एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंदी के शलाका पुरुष पंडित श्रीनारायण चतुर्वेदी हिंदी के प्रचार प्रसार और राष्ट्रभाषा के रूप में उसके प्रतिष्ठापन हेतु अनवरत सक्रिय रहे।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में हुए कवि सम्मेलन का शुभारंभ प्रो. कमला श्रीवास्तव ने सरस्वती वन्दना मां शारदे को रिझाओ... से किया। कवयित्री एवं अधिवक्ता डा. लक्ष्मी रस्तोगी ने ये किस मिट्टी से बनती हैं, हंसती हैं रोती हैं टूटती हैं, मन ही मन खुद को तौलती हैं, फिर मुट्ठीया बाँध गुस्से से तान कर गर्दन उठ खड़ी होती हैं... सुनाया।

व्यंग्यकार श्यामल मजूमदार ने नवसृजन के गीत जन जन को सुनाने आ गया, देश का अभिमान सोया फिर जगाने आ गया... सुनाया। इंजी. उदयभान पाण्डेय भान ने जीवन के मधुर संगीत को पंक्तियों में कुछ यूं पिरोया- ये मन बंजारा गाता है, जब पवन चले, मन थिर न रहे, मन पवन-संग उड़ जाता है, नभ में जाकर बादल से मिल, मन बादल सा हो जाता है, फिर सावन की रिमझिम बनकर, जीवन संगीत सुनाता है, हाथों में लेकर एकतारा, ये मन बंजारा गाता है... इसी श्रृंखला में कवि अमरनाथ ललित ने रवानी छोड़ दे पानी तो वो दरिया नहीं होता, कभी उल्फत का मारा दर्द की दौलत नहीं खोता, न जाने कितनी आहें दफ्न होती एक सीने में, ये शायर सिर्फ अपनी आँख के आँसू नहीं रोता सुनाकर वाहवाही बटोरी। कवयित्री कनक वर्मा ने मन में खुशी के फूल खिलाती है बेटियां, दो-दो घरों को स्वर्ग बनाती है बेटियां, टुकड़ा जो कलेजे का वही धन पराया है, यह सोचकर बहुत ही रुलाती है बेटियां सुनायीं। इसी श्रृंखला में वरिष्ठ कवि देवकीनन्दन शान्त, लता श्री, विजय त्रिपाठी, डा. रश्मीशील शुक्ला, स्क्वा. लीडर तूलिका रानी, श्रीमती अर्चना गुप्ता, अनामिका आदि ने एक से बढ़कर एक श्रेष्ठ रचनाओं का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन ज्योति कलश संस्थान की सचिव श्रीमती कनक वर्मा तथा युवा कवि संदीप सिंह अनुरागी ने किया।

उभरती रेखाएं, गीत मंजरी व लरजते लम्हात का विमोचन

लखनऊ। साहित्यकार उमा त्रिगुणायत की तीन कृतियों उभरती रेखाएं, गीत मंजरी, लरजते लम्हात का गत 4 अक्टूबर को विमोचन किया गया। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था अल्पिका के तत्वावधान में पेपर मिल कालोनी स्थित कैफी आजमी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री डा. विद्या विंदु सिंह ने लरजते लम्हात को समाज का आईना बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ साहित्यकार महेशचंद्र द्विवेदी ने कहा कि उमा ने अपने कलाम में सब कुछ कह दिया। डा. करुणा पांडे ने गीत मंजरी की समीक्षा करते हुए कहा कि इस कृति में गीतों के माध्यम से सांस्कृतिक मूल्यों को दृष्टिगत रखते हुए जो चिंतन मंथन किया गया है, वह सराहनीय है। सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी शंभु नाथ ने कहा कि मनुष्य जीवन में अनेक कल्पनाएं संजोता है पर समय के अंतराल में, जीवन- प्रवाह में वह सब कुछ बदल जाता है। उसकी रेखाएं धुंधली पड़ जाती हैं लेकिन वह स्मृति- पटल पर सदैव बनी रहती हैं। उन्होंने गीत मंजरी को सुंदर गीतों का खजाना बताया। अमित हर्ष, डा. पूर्णिमा पांडेय ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उमा त्रिगुणायत रचित गीतों का गायन पद्मा गिडवानी, नीरा मिश्रा, चित्रा श्रीवास्तव, मंजुला श्रीवास्तव, राजू कुमार, अक्षत कुंदर आदि ने किया। संचालन रेनू शर्मा ने किया।

पुलिस चौकी में युवक की मौत, बच्चों के पतंग के विवाद में ले गई थी पुलिस

लखनऊ (यूएनएस)। लखनऊ में शुक्रवार रात को आम्रपाली पुलिस चौकी में एक युवक की मौत हो गई। वह ऑटो चलाता था। परिवार का कहना है कि पुलिस की पिटाई से जान गई। युवक की मौत के बाद गुस्साए परिजन देर रात पुलिस चौकी पहुंचे। वहां हंगामा किया और घेराव किया। पुलिसकर्मियों के खिलाफकार्रवाई की मांग की। वहीं, पुलिस का कहना है कि युवक फुरकान बीमार था, इसलिए उसकी मौत हुई। पूरा मामला दुबग्गा की आश्रयहीन कॉलोनी का है। फुरकान यहीं पर रहता है। शुक्रवार को बच्चों की पतंग से शुरू हुए विवाद में फुरकान की पड़ोसी सरफूऔर कल्लू से मारपीट हुई थी। इसके बाद पुलिस फुरकान को पकड़कर ले गई थी। संदिग्ध हालत में मौत के बाद परिजन ने पुलिस और दोनों पड़ोसियों पर आरोप लगाए हैं। ऑटो ड्राइवर फुरकान के भाई इरफान ने बताया, शुक्रवार शाम को पतंग उड़ाने को लेकर भतीजे जैद का पड़ोसी कल्लू के बेटे सुफियान से झगड़ा हो गया था। जैद को सभी ने पीट दिया था। इसकी जानकारी होने पर भाई फुरकान, कल्लू और सुफियान के घर शिकायत लेकर गया था। वहां उनके परिवार ने मिलकर मेरे भाई फुरकान को घर के अंदर खींच लिया। उसे जमकर पीटा। फिर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद आम्रपाली चौकी से पुलिस कर्मी पहुंचे। इरफान ने बताया, भाई को खींचते हुए चौकी ले गए। उसे वहां जमकर पीटा। इससे भाई की तबीयत बिगड़ गई। फिर हमें देर रात पुलिस की तरफसे बताया गया कि फुरकान की मौत हो गई। देर रात परिजन और आसपास के लोग चौकी पर पहुंच गए। वहां पड़ोसियों और पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर नारेबाजी शुरू कर दी। पुलिस ने परिजनों को समझाया कि जांच की जा रही है। कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद परिजन शांत हुए। हालांकि, फुरकान की मौत के बाद पड़ोसी कल्लू और सुफियान फरार चल रहे हैं। फुरकान की पत्नी शाहजहां ने पड़ोसी और उनके घर की महिलाओं समेत अन्य के खिलाफतहरीर दी। एडीसीपी पश्चिम चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया, मारपीट की सूचना सरफूने पुलिस को दी थी। चौकी से पुलिसकर्मी पहुंचे तो सरफूऔर फुरकान में मारपीट चल रही थी।

राजधानी लखनऊ में हुई अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय प्रबंधकों संघ की महत्वपूर्ण बैठक

संवाददाता

संगठन द्वारा विधानसभा भवन पर आयोजित धरना प्रदर्शन कार्यक्रम में प्रतिभा हेतु उत्तर प्रदेश के कोने-कोने से अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के प्रबंधकों का भारी जमावड़ा आज प्रातः 10ः00 बजे महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज, मोती नगर लखनऊ में जुटने लगा। लगभग 2000 प्रबंधक उपस्थित हो गए।

माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से श्री सुरेंद्र तिवारी, अपर निदेशक, माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश प्रबंधकों के मध्य शासन एवं निदेशालय के प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित हुए और अवगत कराया कि संगठन के 20 सूत्री मांग पत्र में से शासन व निदेशालय द्वारा 10 मांगों को मान लिया गया है। जिसकी जानकारी श्री सुरेंद्र तिवारी, अपर निदेशक द्वारा सभी प्रबंधकों को विस्तार से उपलब्ध कराई।

प्रबंध समितियां के निर्वाचन एवं हस्ताक्षर प्रमाणन प्रक्रिया का सरलीकरण, सोसाइटीज को ट्रस्ट में परिवर्तन करने संबंधी प्रक्रिया की विसंगतियों का निवारण, नकल आदि में विद्यालय को डिबार नहीं किया जाएगा बल्कि दोषी केंद्र व्यवस्थापक अथवा कक्ष निरीक्षक को दंडित किया जाएगा, पठन-पाठन समय अवधि में शिक्षक संघो का प्रवेश वर्जित एवं कोई भी कार्यक्रम प्रबंधक की अनुमति से ही किया जा सकेगा, प्रबंधकों से सम्मानजनक भाषा में पत्र व्यवहार किया जाएगा,

प्रबंधक / प्रबंध तंत्र के विरुद्ध प्राप्त शिकायत पर शपथ पत्र एवं साक्ष्य के बाद सम्यक परीक्षण के उपरांत ही कोई जांच कार्यवाही की जाएगी, विभाग द्वारा स्वीकृत जनशक्ति में कोई कटौती नहीं की जाएगी, अगले सत्र से फीस बढ़ोतरी एवं विद्युत शुल्क लिए जाने के साथ सीसीटीवी कैमरे स्थापना / संचालन हेतु शुल्क की अनुमन्यता की जाएगी। संगठन की अन्य 07 मांगों पर शासन नवंबर माह में विचार कर निर्णय करेगा तथा तीन अन्य मुख्य मांगों को मुख्यमंत्री जी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।संगठन के अध्यक्ष डा0 अशोक बाजपेई, राज्यसभा सदस्य ने प्रबंधकों को अवगत कराया कि जल्द ही मुख्यमंत्री जी से भेंट वार्ता का समय लेकर प्रतिनिधि मंडल उनसे वार्ता करने जाएगा।

श्री अरुण सिंह, अमेठी ने अपर निदेशक के समक्ष ही अलंकार योजना का विरोध किया कि जब तक इसमें अनुचित प्रकार से कमेटी की व्यवस्था समाप्त नहीं की जाएगी कोई प्रबंधक इसे स्वीकार नहीं करेगा।

श्री अरविंद कुमार, कार्यकारी अध्यक्ष ने सभी प्रबंधकों को भरोसा दिलाया कि अभी तो सिर्फ शुरुआत

भर हुई है, संगठन जी-जान लगाकर प्रबंधकों की एक-एक समस्या का समाधान निकालने हेतु एकजुट और दृढ़प्रतिज्ञ है। श्री दिनेश चंद्र सिंह, महासचिव द्वारा अपर शिक्षा निदेशक का आभार व्यक्त किया गया। मंत्री श्री मनोज सिंह, गाजीपुर ने अपर निदेशक को अवगत कराया कि जैसे कोई चूक होने पर प्रबंधक को अपमानित एवं दंडित करने में विभाग तत्परता से कार्यवाही करता है ठीक उसी प्रकार आपको डीआईओएस अथवा जेडी की अनियमित प्रमाणित हो जाने पर तत्परता से निलंबित कर दंडात्मक कार्यवाही आरंभ करनी होगी।

संगठन के पदाधिकारियों की एक सूची माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा सभी डीआईओएस एवं जेडी को इस आशय से प्रेषित की जाएगी कि संगठन पदाधिकारी द्वारा कोई प्रकरण संदर्भित किया जाने अथवा व्यक्तिगत भेंट करने पर अधिकारियों द्वारा अभिलंब आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाएगी।

युवा व्यापारी उठाएंगे 21 बेटियों की डोली

लखनऊ युवा व्यापार मंडल ने समाजसेवा का संकल्प ले किया संगठन का विस्तार

संवाददाता

लखनऊ लाटूस रोड स्थित लखनऊ व्यापार मंडल कार्यालय मे लखनऊ युवा व्यापार मंडल ने संगठन का विस्तार करते हुए नये पदाधिकारी माननीत किये।

युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता ने बताया है की संगठन पूर्ण निष्ठा से व्यापारिक समस्याव के निस्तारण के साथ समाज की सेवा भी कर रहा है। दिसंबर माह तक संगठन मे युवा पदाधिकारी मनोनीत किये जाएंगे। वरिष्ठ महामंत्री सुमित गुप्ता,वरिष्ठ उपाध्यक्ष स्वामी गौड़ ने अगले माह 25 नवम्बर को व्यापारी समाज के द्वारा होने वाले बिटिया विवाह उत्सव आयोजन की रूप रेखा तैयार की। सर्वसमाज की 21 बेटियों के विवाह उत्सव आयोजन मे लखनऊ के लगभग सभी बाज़ारो के व्यापार मंडलो के पदाधिकारी उपस्थित रहकर सभी वर वधु को शुभाशीष प्रदान करेंगे। महामंत्री प्रियंक गुप्ता,हरप्रित अरोरा,सोनू जायसवाल,प्रदीप मिश्रा, रोहित अग्रवाल,अनुज्ञ

गुप्ता ने नवनियुक्त पदाधिकारी अनिमेस अग्रवाल,दिवांशु वर्मा,हितेश गुप्ता,विशाल वर्मा, आयुष सक्सेना,आशुतोष राठौर,लव अग्रवाल,सागर सोनी,अमित त्रिपाठी,सहित 73 युवा व्यापारियों को पहचान पत्र वितरित किये।

यूपीः बिजली दर बढ़ाने पर आमादा पावर कॉर्पोरेशन, प्रदेश में 30 से 35 फीसदी महंगी हो सकती है बिजली

लखनऊ। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिली तो छोटे व बड़े उद्योगों की सिक्योरिटी राशि में 50 से 100 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी हो सकती है।

पावर कॉर्पोरेशन ने चौथी बार कॉस्ट डाटा बुक में कोई बदलाव नहीं किया है। यदि पावर कॉर्पोरेशन के प्रस्ताव को विद्युत नियामक आयोग ने हरी झंडी दी तो बिजली कनेक्शन की नई दरों में 30 से 35 फीसदी वृद्धि हो जाएगी। यानी पावर कॉर्पोरेशन बिजली दर बढ़ाने पर आमादा है।

सितंबर में पावर कॉर्पोरेशन ने विद्युत वितरण निगमों की ओर से नियामक आयोग में प्रस्ताव भेजा था। भारी विरोध के बाद आयोग ने दरें संशोधित कर प्रस्ताव देने का निर्देश दिया था लेकिन 11 अक्तूबर को दाखिल किए गए संशोधित कॉस्ट डाटा बुक में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस प्रस्ताव को मंजूरी मिली तो छोटे व बड़े उद्योगों की सिक्योरिटी राशि में 50 से 100 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में उद्योगों के लिए नए कनेक्शन की दरों में 100 प्रतिशत से ज्यादा वृद्धि हो सकती है। इसका सीधा भार कनेक्शन धारक पर पड़ेगा। उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कोड रिव्यू पैनल के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि हर स्तर पर बिजली दरें बढ़ाने का विरोध किया जाएगा। जल्द ही जब आयोग रिव्यू पैनल सब कमेटी की बैठक बुलाएगा तो उसमें अव्यवहारिक दरों का विरोध करेंगे।

ट्रांसफार्मर की व्यवस्था में मिलेगा फायदा

नई संशोधित कॉस्ट डाटा बुक प्रस्ताव में ट्रांसफार्मर की व्यवस्था में कुछ बदलाव किए गए हैं। 16 केवीए 3 फेस व 10 केवीए सिंगल फेस ट्रांसफार्मर के मामले में किसानों को राहत मिलेगी। उन्हें अनिवार्य रूप से 25 केवीए का ट्रांसफार्मर नहीं लगाना पड़ेगा। अब 12 किलो वाट नए कनेक्शन व 12 हॉर्स पावर तक के नए निजी नलकूप पर 16 केवीए ट्रांसफार्मर से भी काम चल जाएगा।

प्रीपेड मीटर की दरें तय नहीं, उठ रहे सवाल: नई कॉस्ट डाटा बुक में अभी भी स्मार्ट प्रीपेड मीटर की दरों को पावर कॉर्पोरेशन ने दाखिल नहीं किया है। जबकि सभी बिजली कंपनियों में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के टेंडर हो चुके हैं। फाइनल और नई दरें तय हो चुकी हैं। ऐसे में दरों को न प्रस्तावित करने को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आयोग की ओर से बुलाई जाने वाली सप्लाई कोड रिव्यू पैनल की बैठक में उपभोक्ता परिषद इस बढ़ोतरी का विरोध करेगा। साथ ही पैनल की बैठक में उपभोक्ता परिषद उपभोक्ता सामग्री की गैर तर्कसंगत दरों को लेकर भी खुलासा करेगा।

नए संयोजन में सिक्योरिटी में सर्वाधिक प्रस्तावित दरें

स्मॉल एंड मीडियम पावर 1,350 रुपये प्रति किलोवाट, अब बढ़कर 3000 रुपये प्रति किलोवाट 122 प्रतिशत

नॉन इंडस्ट्रियल लोड 4,500 रुपये प्रति केवीए, अब बढ़कर 6000 रुपये प्रति केवीए 33 प्रतिशत

लार्ज एंड हैवी 2,200 रुपये प्रति किलोवाट, अब बढ़कर 5,000 रुपये प्रति किलोवाट 127 प्रतिशत

चार्जिंग सबस्टेशन 400 रुपये प्रति किलोवाटए अब बढ़कर 3,000 रुपये प्रति किलोवाट 650 प्रतिशत

बेटी को पीटने पर हत्यारा बन गया बाप, आठ साल की बच्ची को मारकर शव तालाब के पास फेंका

लखनऊ। बलरामपुर में सगे मौसा ने आठ साल की बच्ची की निर्ममता से हत्या कर दी। परिजनों द्वारा पुलिस में शिकायत करने पर हत्यारा भी बच्ची की तलाश करता रहा।

सगे मौसा ने ही आठ साल की मासूम सिया की हत्याकर शव नहर बालागंज से गेंदापुर मार्ग के किनारे स्थित तालाब के पास फेंक दिया। बृहस्पतिवार को अपने मौसा की बेटी के साथ खेलने गई सिया घर नहीं लौटी तो उसकी मां ने खोजबीन शुरू की। सिया की फोटो के साथ पर्चे बांटे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शुक्रवार की रात सिया का शव बरामद कर हत्या करने के जुर्म में मृतक सिया के मौसा करन सोनी को गिरफ्तार कर लिया।

महाराष्ट्र के कल्याण जंक्शन मुंबई न्यू सोनिया कॉलोनी निवासी अनिरूद्ध तिवारी की पत्नी मीनू तिवारी रक्षाबंधन पर्व पर अपनी बहन के घर बेटी के साथ आई थीं। तबीयत खराब होने के कारण अभी वापस नहीं जा सकीं थीं। वह शहर के गदरहवा मजार के पीछे रहने वाली अपनी बहन माधुरी सोनी के साथ ही रह रहीं थीं।

मीनू कहना है कि उसकी बेटी सिया अपने मौसा करन सोनी की बेटी के साथ खेलने के लिए घर से गई थी। वह वापस नहीं आई तो उसने खोजबीन की। पता न चलने पर थाने में सूचना दी थी। उसकी लापता हुई बेटी की खोजबीन उसके बहन का पति करन भी कर रहा था। शुक्रवार को पुलिस को नहर बालागंज के पास तालाब के किनारे एक आठ साल की मासूम का शव मिला। पुलिस ने मीनू को बुलाकर तस्दीक कराया। पुलिस शुक्रवार की पूरी रात खोजबीन करती रही।

पुलिस को करन सोनी पर शक हुआ क्योंकि जिस दिन सिया लापता हुई थी उस दिन रात में उसे मौसा के साथ ही कुछ लोगों ने देखा था। इसके आधार पर पुलिस ने करन सोनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्या का राज उजागर हो गया।

पुलिस के मुताबिक करन ने बताया कि सिया अक्सर उसकी बेटी को मारती थी एक बार चेहरे पर मार दिया तो उसके गाल पर नाखून के निशान बन गए। यही नहीं इससे उसके चेहरे पर संक्रमण भी हो गया था। इससे वह सिया से काफी नाराज था। उस दिन उसने ठान लिया था कि उसकी हत्या कर देगा।

पुलिस अधीक्षक बलरामपुर केशव कुमार का कहना है कि आठ वर्षीय सिया की गुमशुदगी की सूचना मिली थी। छानबीन में सिया का शव तालाब के पास मिला। जांच में उसका मौसा करन ही हत्या का दोषी पाया गया। उसे गिरफ्तर कर लिया गया है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस मामले में गंभीर कार्रवाई कर रही है।

विज्ञान फाउंडेशन संस्था ने मनाया स्कूल महोत्सव

लखनऊ,(यूएनएस)। विज्ञानं फाउंडेशन संस्था 35 सालो से वंचित समुदाय, महिलाओ बच्चो व मजदूरों के अधिकारों की पैरवी के लिए नेटवर्क और गटबंधन मे विश्वास करते है और उन्हें बढ़ावा देते है। लखनऊ मे 12 गरीब बस्तियों की 750 किशोरियो एवं 18 चयनित स्कूलो के साथ प्रत्यक्ष रूप से क्षमतावर्धन का काम कर रही है आज विज्ञान फाउंडेशन व अजीम प्रेमजी फ्लैंथरोपिक इनिशिएटिव के संयुक्त तत्वाधान में कार्यरत गिविंग विंग्स टू ड्रीमर्स परियोजना के तहतसंवैधानिक मूल्य विषय आधारित स्कूल महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अन्तर्राष्ट्रीय बौध शोध संस्थान मे आयोजित किया गया जिसमे शामबिनेगल जी की संविधान एपिसोड तथा ईदगाहमूवी दिखाई गयी जिसमे पारा क्षेत्र के पाँच स्कूल जिसमे बी चंद्रा अकैडमी, न्यू सरोज पब्लिक स्कूल, वी डी पब्लिक स्कूल, सूर्योदय पब्लिक इंटर कॉलेज, एस पी अस कान्वेंट स्कूल के 200 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग कियाकार्यक्रम में मुख्य रूप से सामाजिक कार्यकर्ता कहकशा एवं इप्टा थिएटर एसोसिएशन से राकेश मुख्य अतिथि के रूप मे शामिल हुए। इस महोत्सवका उद्देश्य स्कूली छात्र छात्राओं को संवैधानिक मूल्यों के प्रति जागरूक करना।

जनवीणा

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधा द्विवेदी द्वारा प्रिंट आर्ट आफसेट, 33 कैण्ट रोड, लखनऊ से मुद्रित तथा प्रथम तल, कैपिटल सिनेमा बिल्डिंग, विधानसभा मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ-226001 उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

सम्पादक- सुधा द्विवेदी
कार्यकारी सम्पादक
डॉ. एस.के.गोपाल
प्रबंध सम्पादक
होमेन्द्र कुमार मिश्र
क्रिएटिव एडिटर
नैमिष सोनी
विशेष संवाददाता
सौरभ कुमार पाण्डेय
संवाददाता
जादूगर सुरेश कुमार
सम्पर्क : 9451532641, 8765919255

ईमेल :janveenanews@gmail.com

RNI No. UPHIN/2011/43668

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।